>

Title: Regarding non recognition of Grand Master Viswanathan Anand as an Indian by the Ministry of Human Resource Development.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं और बहुत दुख के साथ एक विषय उठाना चाहता हूं। विश्वनाथन आनंद जो देश के एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने भारत के तिरंगे की शान पूरी दुनिया में बढ़ाई है और विश्वनाथन आनंद को भारत सरकार ने पद्म श्री, पद्म विभूषण, और पद्म भूषण दिया, उनको पहला अवार्ड राजीव गांधी खेल रत्न मिला। शतरंज में पूरी दुनिया में उन्होंने भारत के परचम को लहराने का काम किया है। लेकिन बहुत दुख के साथ मुझे इस विषय को उठाना है कि विश्वनाथन आनंद जिसने इस देश का नाम रौशन किया, आज उनकी नागरिकता के मुद्दे पर मानव संसाधन मंत्रालय ने कहा कि वे कहां रहते हैं, यह फॉरेन अफेयर्स मिनिस्ट्री से पूछा जाए।...(व्यवधान) इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता।...(व्यवधान)

श्रीमती विजया चक्रवर्ती : मैडम, यह अन्याय है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : डॉक्ट्रेट की डिग्री से बड़ी डिग्री उनको पहले ही मिली हुई है। उनके लिए यह बहुत ओनर का विषय था। लेकिन इस देश में हम लोगों ने मदर टैरेसा बाहर से आई, लेकिन उनका भी इस देश ने सम्मान किया है। दलाई लामा आए, उनका हम लोग सम्मान करते हैं लेकिन भारत का नागरिक जिसने इस देश का नाम रौशन किया, उसको भारत सरकार का एक मंत्रालय उनकी नागरिकता के नाम पर प्रश्न उठाए, यह उनका अपमान है। मैडम, आपने चेयर से कई बार खिलाड़ियों को बधाई दी है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बस अब आपकी बात पूरी हो गई। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Shri Arjun Meghwal and

Dr. Rajan Sushant are also associating on this issue. Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **